भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2841
शुक्रवार, 12 मार्च, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

भूकंप की प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली

2841. श्री गोपाल शेट्टी:
श्री डी.के. सुरेश:

पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत का 54 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से अत्याधिक संवेदनशील है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार के पास अत्याधिक संवेदनशील क्षेत्र वाले भारतीय शहरों के कोई आंकड़े हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) उक्त शहरों में भूकंप-रोधी भवनों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाए किए जा रहे है;
(घ) क्या देश की भूकंप प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली किसी भी गहनता वाले भूकंप की भविष्यवाणी करने में सक्षम है;
(ङ) यदि हां, तो भूकंप की स्टीक भविष्यवाणी किस प्रकार की जा सकती है; और
(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) जी, हां। देश में भूकंपों के अभिलिखित इतिहास को ध्यान में रखते हुए, भारत का 59%भौगोलिक क्षेत्र विभिन्न तीव्रता के भूकंपों के प्रति संवेदनशील है। देश के भूंकप क्षेत्र मानचित्र के अनुसार, सारे भौगोलिक क्षेत्र को 4 भूकंपीय क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है। क्षेत्र V भूंकप की दृष्टि से सबसे अधिक संवेदनशील है जबकि क्षेत्र II सबसे कम संवेदनशील है। लगभग 11% भाग क्षेत्र V में, 18%भाग क्षेत्र IV में, 30% भाग क्षेत्र III में तथा शेष भाग क्षेत्र II में आता है।

(ख) अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्र V/अत्यधिक संभावना वाले क्षेत्रों में आने वाले देश के शहरों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण नीचे दिया गया है:

राज्य: शहर

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: सभी शहर

बिहार: अररिया, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी, मोतीहारी, सहरसा, किशनगंज, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल

गुजरात: भुज

हिमाचल प्रदेश: हमीरपुर, धर्मशाला, चंबा, मंडी, कुल्लू

जम्मू कश्मीर: श्रीनगर

पूर्वोत्तर के राज्य: त्रिपुरा के सभी शहर, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम और नगालैण्ड

उत्तराखण्ड: पिथौरागढ़, चमौली, रूद्रप्रयाग, बागेश्वर, अल्मोडा

पश्चिम बंगाल: कूच बिहार

(ग) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भूकंप के संबंध में समय-समय पर प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक के साथ-साथ सोशल मीडिया के माध्यम से नियमित जागरुकता अभियान चलाता रहा है, जिनमें भूकंप-रोधी भवनों के प्रति पूर्व-चेतावनी शामिल है। इसके अतिरिक्त, भूकंप के कारण जीवन की हानि और संपत्ति को नुकसान को कम से कम करने के लिए भूकंप-रोधी भवनों के डिजाइन और निर्माण के लिए भारतीय मानक ब्यूरों, भवन सामग्री तथा प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद तथा आवास और शहरी विकास निगम लिमिटेड द्वारा दिशानिर्देश प्रकाशित किए गए हैं। ये दिशानिर्देश आम जनता तथा भूंकप के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में भूकंप-रोधी भवनों के डिजाइन और निर्माण के लिए उत्तरदायी प्रशासनिक प्राधिकरणों के बीच आसानी से उपलब्ध हैं।

(घ)(ड.)(च): वर्तमान में, देश में भूकंप की पूर्व चेतावनी देने के लिए कोई प्रणाली नहीं है। इसके अतिरिक्त, भूकंप के समय, स्थान तथा इसकी तीव्रता का सटीक पूर्वानुमान लगाने के लिए विश्व में कहीं भी कोई वैज्ञानिक तकनीक उपलब्ध नहीं है।

*****